निवेश का सबसे सुरक्षित और तेजी से बढ़ता गंतव्य है उत्तर प्रदेश : योगी

मुख्यमंत्री ने चार संस्थाओं को भूमि आवंटन पत्र सौंपे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यीडा मे चार औद्योगिक इकाइयों और एक मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए संस्थाओं को भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उनके साथ में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी व अन्य •सूचना विभाग

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश निवेश के लिए देश का सबसे अनुकूल और भरोसेमंद राज्य बन चुका है। बेहतर कानून व्यवस्था, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन के कारण यह प्रदेश में निवेश का सुनहरा समय है। रविवार को अपने सरकारी आवास पर उन्होंने चार संस्थाओं को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों और एक मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए भूमि आवंटन पत्र सौंपे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश ने बड़ा औद्योगिक परिवर्तन देखा है। 'उद्योग प्रथम, निवेश प्रथम' की नीति के कारण यूपी आज वैश्विक निवेशकों के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय गंतव्य बन चुका है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट जमीन पर उतर चुके हैं और जल्द ही पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव क्रियान्वित होंगे।

उन्होंने इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियां बताईं। यह भी बताया कि निवेश प्रक्रिया को पूरी तरह तकनीक आधारित बनाया गया है। 118 उद्यमी मित्र निवेशकों की सहायता कर रहे हैं और प्रोत्साहनों का वितरण समयबद्ध ढंग से हो रहा है।

उन्होंने सभी विकास प्राधिकरणों को निर्देश दिए कि निवेश संबंधी कार्य तेज, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। साथ ही उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षित मैनपावर तैयार करने पर भी जोर दिया।

इन संस्थाओं को किया गया भूमि आवंटन

इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड (एचसीएल-फाक्सकाम के संयुक्त उपक्रम) को 48 एकड़ भूमि दी गई है, जिसमें 3706.15 करोड़ रुपये का निवेश कर सेमीकंडक्टर चिप का उत्पादन होगा। एसेंट सर्किट प्राइवेट लिमिटेड को 16 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहां 3250 करोड़ रुपये के निवेश से फ्लेक्सिबल पीसीबी और सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट्स का निर्माण होगा। अंबर इंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड को 100 एकड़ भूमि दी गई है, जिसमें 3532 करोड़ रुपये के निवेश से 1500 से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। बोधिसत्व चैरिटेबल ट्रस्ट को 20.50 एकड़ भूमि दी गई है, जहां 532.18 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कालेज स्थापित होगा।

तकनीक ने संभव बनाया समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का इलाज

यूपी हेल्थटेक कान्क्लेव का शुभारंभ, हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलाजी हब बनेगा प्रदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ: स्मार्टफोन और कृत्रिम बुद्धिमता (एआइ) से रोगों की पहचान और उपचार की प्रक्रिया आसान हो गई है। होटल क्लार्क अवध में पहले यूपी हेल्थ टेक कान्क्लेव 1.0 का शुभारंभ करते हुए में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टेलीकंसल्टेंसी के माध्यम से वायरल फीवर, सर्दी जुकाम जैसे सामान्य रोगों के मरीजों को उनके घर के पास हेल्थ वेलनेस सेंटर, ग्राम सचिवालय पर ही निदान दिया जा रहा है। इससे बड़े स्वास्थ्य केंद्रों पर गंभीर मरीजों का समय नहीं खराब हो रहा है। प्रदेश को चिकित्सा तकनीक, स्वास्थ्य देखभाल में नवाचार और फार्मा निर्माण का राष्ट्रीय और वैश्विक हब बनाने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

बतौर मुख्य अतिथि कान्क्लेव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलाजी हब बन सकता है। उद्यमियों से कहा कि उत्तर प्रदेश में हम आपको सुरक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और सिंगल विंडो सिस्टम देंगे। यूपी सरकार आप सबके पाजिटिव रिस्पांस के लिए सदैव आपके साथ है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश उपभोक्ताओं का सबसे बड़ा बाजार है। 25 करोड़ आबादी के साथ ही पड़ोसी राज्य व देशों की स्वास्थ्य सुविधाओं का भार उत्तर प्रदेश पर आता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक का उपयोग करके ईज आफ लिविंग और सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को पाना है।

एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान प्रणाली का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिमोट का बटन दबाकर एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान अनुप्रयोग प्रणाली (यूपीआइएमआरएएस) साफ्टवेयर का लोकार्पण किया। यह एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म क्लीनिकल ट्रायल, फार्मास्यूटिकल्स और मेडिकल डिवाइस से जुड़े अनुसंधान कार्यों को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध बनाने के लिए किया गया है। अब शोधकर्ता अनुसंधान संबंधी आवश्यकताएं, प्रस्ताव और अनुमतियां आनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे। इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी (आइईसी) से अनुमोदन, समीक्षा और निगरानी की प्रक्रिया भी इसी प्लेटफार्म पर होंगे। इस मौके पर इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की पुस्तक का विमोचन भी किया।

नवाचार प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था तक पहुंचे : पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कान्क्लेव में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में हेल्थ सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार का फोकस है कि नवाचार प्रयोगशालाओं से निकल कर अस्पताल, जिला स्तर और प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था तक पहुंचे। हेल्थ टेक कान्क्लेव के माध्यम से चर्चा करेंगे कि उप्र की अगुवाई में हमारा देश स्वास्थ्य के क्षेत्र में किस तरह नए कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 60 से 70 फीसदी स्वास्थ्य निर्णय समय पर व सटीक जांच प्रणाली पर निर्भर करते हैं। इसमें हेल्थ टेक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

पूरी खबर पढने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें